



Mr.

18 Jun 1982

09:55 AM

Yamunanagar

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 121750801

लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 18/06/1982
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 09:55:00 घंटे
इष्ट _____: 11:28:52 घटी
स्थान _____: Yamunanagar
राज्य _____: Haryana
देश _____: India

अक्षांश _____: 30:07:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 09:34:12 घंटे
वेलान्तर _____: -00:00:57 घंटे
साम्पातिक काल _____: 03:18:34 घंटे
सूर्योदय _____: 05:19:27 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:24:12 घंटे
दिनमान _____: 14:04:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 03:00:45 मिथुन
लग्न के अंश _____: 01:32:10 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: भरणी - 2
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: अतिगण्ड
करण _____: कौलव
गण _____: मनुष्य
योनि _____: गज
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मिथुन

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

पंचांग

दादा का नाम _____ :
पिता का नाम _____ :
माता का नाम _____ :
जाति _____ :
गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1904	ज्येष्ठ	28
पंजाबी	संवत : 2039	आषाढ़	4
बंगाली	सन् : 1389	आषाढ़	3
तमिल	संवत : 2039	आनी	4
केरल	कोल्लम : 1157	मिथुनम	4
नेपाली	संवत : 2039	आषाढ़	4
चैत्रादि	संवत : 2039	आषाढ़	कृष्ण 11
कार्तिकादि	संवत : 2039	ज्येष्ठ	कृष्ण 11

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 11
तिथि समाप्ति काल _____ : 06:54:35
जन्म तिथि _____ : 12
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : भरणी
नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 26:19:10 घंटे
जन्म योग _____ : भरणी
सूर्योदय कालीन योग _____ : अतिगण्ड
योग समाप्ति काल _____ : 10:21:54 घंटे
जन्म योग _____ : अतिगण्ड
सूर्योदय कालीन करण _____ : बालव
करण समाप्ति काल _____ : 06:54:35 घंटे
जन्म करण _____ : कौलव
भयात _____ : 14:01:37
भभोग _____ : 55:02:02
भोग्य दशा काल _____ : शुक्र 14 वर्ष 11 मा 12 दि

घात चक्र

मास _____ : कार्तिक
तिथि _____ : 1-6-11
दिन _____ : रविवार
नक्षत्र _____ : मघा
योग _____ : विष्कुम्भ
करण _____ : बव
प्रहर _____ : 1
वर्ग _____ : सिंह
लग्न _____ : मेष
सूर्य _____ : कर्क
चन्द्र _____ : मेष
मंगल _____ : सिंह
बुध _____ : वृष
गुरु _____ : कन्या
शुक्र _____ : तुला
शनि _____ : मिथुन
राहु _____ : वृश्चिक

Pt Rupinder vashishth

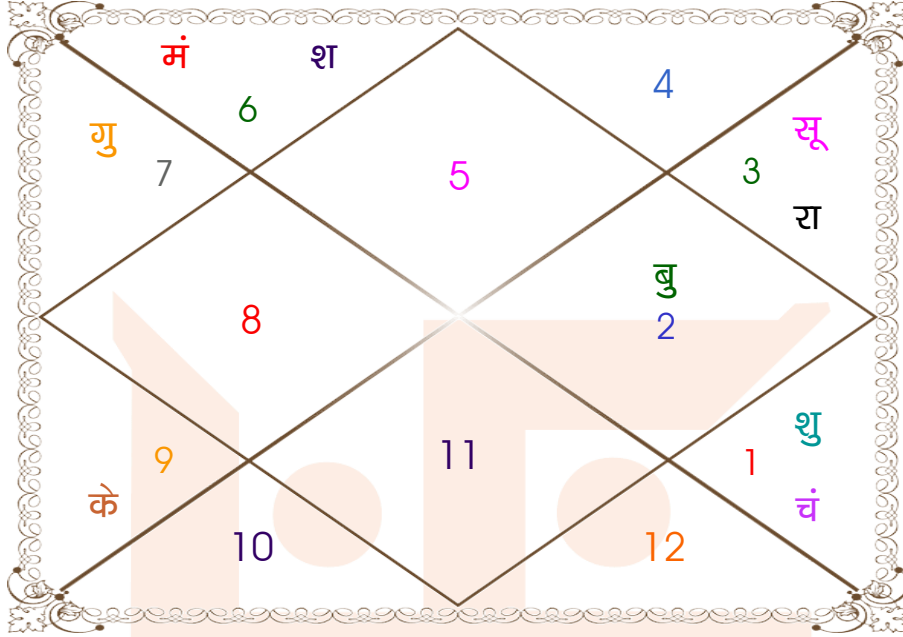
Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

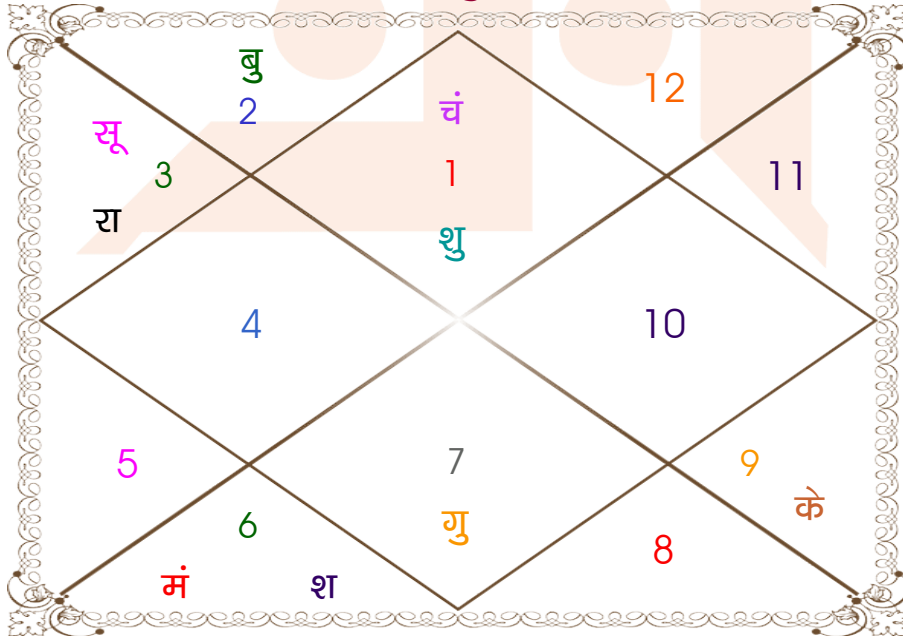
rupendersharma1971@gmail.com

जन्म कुण्डली

लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुण्डली

	शु चं	बु	सू रा
			ल
के		गु	श मं

लग्न कुण्डली

रा सू	बु	शु चं	
ल	मं श	गु	के

विंशोत्तरी
शुक्र 14वर्ष 11मा 12दि
शुक्र

18/06/1982

31/05/2097

शुक्र	31/05/1997
सूर्य	31/05/2003
चन्द्र	31/05/2013
मंगल	30/05/2020
राहु	31/05/2038
गुरु	31/05/2054
शनि	31/05/2073
बुध	31/05/2090
केतु	31/05/2097

योगिनी

भद्रिका 3वर्ष 8मा 25दि
उल्का

14/03/2022

14/03/2028

उल्का	14/03/2023
सिद्धा	13/05/2024
संकटा	12/09/2025
मंगला	12/11/2025
पिंगला	14/03/2026
धान्या	13/09/2026
भ्रामरी	14/05/2027
भद्रिका	14/03/2028

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

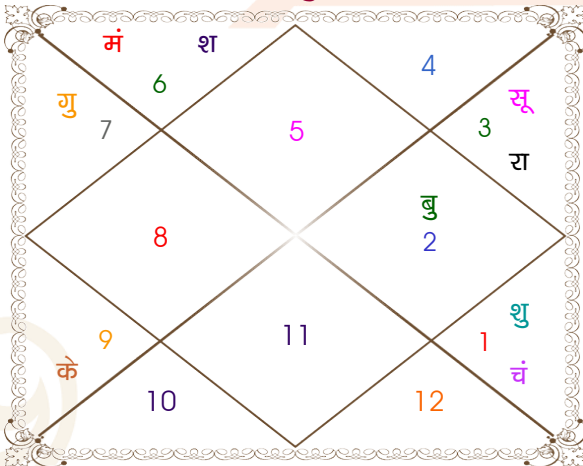
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	सिंह	01:32:10	---	--	--	--	नेक
सूर्य	मिथुन	03:00:45	सम राशि	--	--	--	मन्दा
चन्द्र	मेष	16:41:59	सम राशि	--	--	--	मन्दा
मंगल	कन्या	14:14:26	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
बुध	वृष	13:41:03	मित्र राशि	--	--	--	नेक
गुरु	व तुला	06:58:03	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	मेष	27:45:21	सम राशि	--	--	--	मन्दा
शनि	व कन्या	21:53:25	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
राहु	व मिथुन	19:48:49	उच्च राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	व धनु	19:48:49	उच्च राशि	--	--	--	नेक

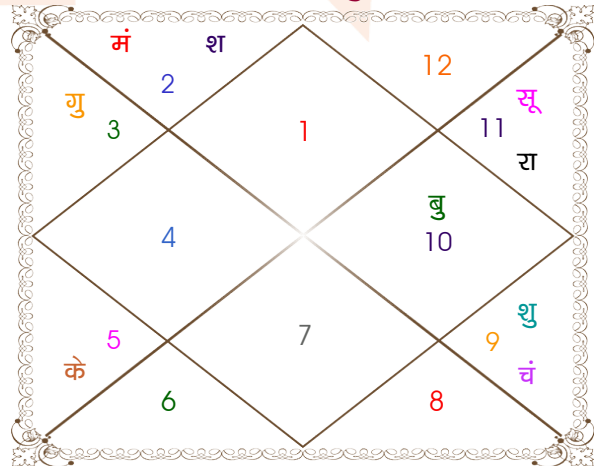
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	हाँ	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

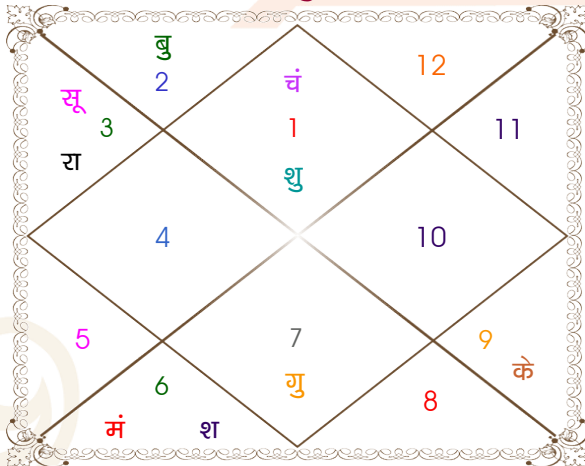
मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

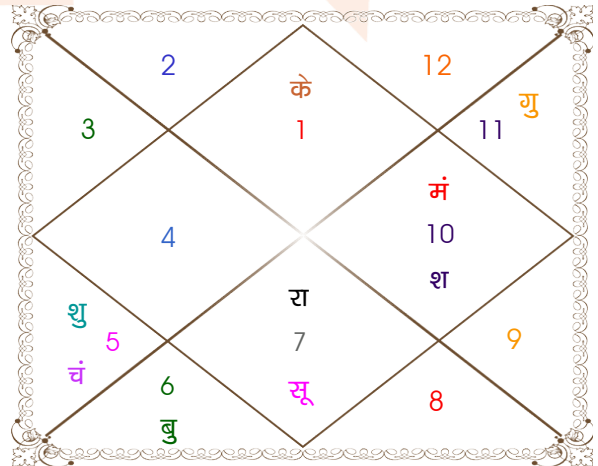
ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	पूर्णधर्मी मगर अपनी ही ऐश पसंद ।	--
चंद्र	घड़े बराबर मोती, दुखियों का रक्षक समुद्र ।	--
मंगल	धर्म मूरत ।	--
बुध	प्रसन्नता से निर्वाह करने वाले की हजरिया ।	राशि
गुरु	गरजता शेर या खानदानी गुरु ।	--
शुक्र	मिट्टी की काली आंधी ।	--
शनि	गुरु शरण ।	--
राहु	पिता को गोली मारे या मुंह न देखे ।	--
केतु	अपनी रोटी के टुकड़े के लिए गुरु का निगरान ।	--

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लालकिताब दशा

शनि 6 वर्ष 18/06/1982 17/06/1988	राहु 6 वर्ष 17/06/1988 18/06/1994	केतु 3 वर्ष 18/06/1994 18/06/1997	गुरु 6 वर्ष 18/06/1997 18/06/2003	सूर्य 2 वर्ष 18/06/2003 18/06/2005
राहु 17/06/1984 बुध 18/06/1986 शनि 17/06/1988	मंगल 18/06/1990 केतु 17/06/1992 राहु 18/06/1994	शनि 18/06/1995 राहु 17/06/1996 केतु 18/06/1997	केतु 18/06/1999 गुरु 18/06/2001 सूर्य 18/06/2003	सूर्य 17/02/2004 चंद्र 17/10/2004 मंगल 18/06/2005
चंद्र 1 वर्ष 18/06/2005 18/06/2006	शुक्र 3 वर्ष 18/06/2006 18/06/2009	मंगल 6 वर्ष 18/06/2009 18/06/2015	बुध 2 वर्ष 18/06/2015 18/06/2017	शनि 6 वर्ष 18/06/2017 18/06/2023
गुरु 17/10/2005 सूर्य 16/02/2006 चंद्र 18/06/2006	मंगल 18/06/2007 शुक्र 17/06/2008 बुध 18/06/2009	मंगल 18/06/2011 शनि 18/06/2013 शुक्र 18/06/2015	चंद्र 17/02/2016 मंगल 17/10/2016 गुरु 18/06/2017	राहु 18/06/2019 बुध 18/06/2021 शनि 18/06/2023
राहु 6 वर्ष 18/06/2023 18/06/2029	केतु 3 वर्ष 18/06/2029 17/06/2032	गुरु 6 वर्ष 17/06/2032 18/06/2038	सूर्य 2 वर्ष 18/06/2038 17/06/2040	चंद्र 1 वर्ष 17/06/2040 18/06/2041
मंगल 18/06/2025 केतु 18/06/2027 राहु 18/06/2029	शनि 18/06/2030 राहु 18/06/2031 केतु 17/06/2032	केतु 18/06/2034 गुरु 17/06/2036 सूर्य 18/06/2038	सूर्य 16/02/2039 चंद्र 18/10/2039 मंगल 17/06/2040	गुरु 17/10/2040 सूर्य 16/02/2041 चंद्र 18/06/2041
शुक्र 3 वर्ष 18/06/2041 17/06/2044	मंगल 6 वर्ष 17/06/2044 18/06/2050	बुध 2 वर्ष 18/06/2050 17/06/2052	शनि 6 वर्ष 17/06/2052 18/06/2058	राहु 6 वर्ष 18/06/2058 17/06/2064
मंगल 18/06/2042 शुक्र 18/06/2043 बुध 17/06/2044	मंगल 18/06/2046 शनि 17/06/2048 शुक्र 18/06/2050	चंद्र 16/02/2051 मंगल 18/10/2051 गुरु 17/06/2052	राहु 18/06/2054 बुध 17/06/2056 शनि 18/06/2058	मंगल 17/06/2060 केतु 18/06/2062 राहु 17/06/2064
केतु 3 वर्ष 17/06/2064 18/06/2067	गुरु 6 वर्ष 18/06/2067 18/06/2073	सूर्य 2 वर्ष 18/06/2073 18/06/2075	चंद्र 1 वर्ष 18/06/2075 17/06/2076	शुक्र 3 वर्ष 17/06/2076 18/06/2079
शनि 18/06/2065 राहु 18/06/2066 केतु 18/06/2067	केतु 18/06/2069 गुरु 18/06/2071 सूर्य 18/06/2073	सूर्य 16/02/2074 चंद्र 18/10/2074 मंगल 18/06/2075	गुरु 18/10/2075 सूर्य 17/02/2076 चंद्र 17/06/2076	मंगल 18/06/2077 शुक्र 18/06/2078 बुध 18/06/2079
मंगल 6 वर्ष 18/06/2079 18/06/2085	बुध 2 वर्ष 18/06/2085 18/06/2087	बुध 2 वर्ष 18/06/2085 18/06/2087	बुध 2 वर्ष 18/06/2085 18/06/2087	बुध 2 वर्ष 18/06/2085 18/06/2087
मंगल 18/06/2081 शनि 18/06/2083 शुक्र 18/06/2085	चंद्र 16/02/2086 मंगल 18/10/2086 गुरु 18/06/2087	चंद्र 16/02/2086 मंगल 18/10/2086 गुरु 18/06/2087	चंद्र 16/02/2086 मंगल 18/10/2086 गुरु 18/06/2087	चंद्र 16/02/2086 मंगल 18/10/2086 गुरु 18/06/2087

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-छगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में ग्यारहवें खाने में सूर्य पड़ा है। इसकी वजह से आपकी इच्छाएं बहुत ऊंची होंगी और पूर्ण भी होंगी। आप पूर्ण धार्मिक विचारों के होंगे। सत्तापक्ष से लाभ होगा। आपको ऐशो-आराम मिलेगा और जीवन उत्तम रहेगा। आपको तीन पुत्रों का सुख मिलेगा। आप बाहर से सुंदर दिखने वाला मकान बनाएंगे। आप अमीरी जीवन व्यतीत करेंगे। सुस्ती और लापरवाही से जीवन में आए शुभ अवसरों को आप खो सकते हैं। आपके जीवन की आखिरी अवस्था अच्छी बीतेगी। आपकी उन्नति होती रहेगी। आप आस्तिक होंगे। आपके अपने सरकल में अच्छे ताल्लुकात बनेंगे। बुराई के कामों से आप हमेशा दूर रहेंगे। आप शाकाहारी होंगे और आज्ञाकारी स्त्री व संतान का सुख मिलेगा। जीवन में सभी सुख-सुविधाएं मिलेंगी। आपके पूरे परिवार का धार्मिक होना शुभ होगा।

यदि आपने पब्लिक को लाभ देने की बजाय उल्टे उनका काम बिगाड़ा, भेड़-बकरी मारी या भेड़-बकरी का मांस खाया, पिता के बहन-भाई से झगड़ा किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से पिता के बहन भाई अशुभ फल देंगे। शराब पीने, मांस खाने और झूठ बोलने से चारों ओर अंधेरा ही अंधेरा नजर आएगा। आपको सपने में सांप दिखें तो, इसका अशुभ फल होगा। दूसरे को गाली देना, लड़ाई-झगड़ा करना, झूठी गवाही देने पर किसी की अमानत में खयानत करने से आपका जीवन बर्बाद हो सकता है। पुत्र जन्म में बाधा या पुत्र सुख नहीं मिलेगा। झूठ बोलने से आपकी शक्ति कम होगी। यात्रा में चोट-हानि का भय रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. झूठ-झूठ से परहेज रखें।
2. शराब-मांस-मछली का प्रयोग न करें।

उपाय :

1. मूली का दान करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को जल दें।

संतान सुख और संतान की लंबी आयु के लिए -

1. 45 वर्ष की आयु में कसाई से बकरा छुड़ा कर जंगल में खुला छोड़ दें।
2. 43 दिन तक रेत पर बिस्तर लगा कर सोयें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में नौवें खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से आप दुःखियों

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

के हमदर्द, समाज में आदरणीय, पैतृक जायदाद मिलेगी और उससे अधिक लाभ होगा। हर प्रकार से जीवन उत्तम बीतेगा। आपके जीवन के 24वें वर्ष में चंद्रमा का अच्छा फल मिलेगा। आप घूमने-फिरने के शौकीन होंगे। तीर्थयात्रा भी करेंगे। आपका स्वभाव सरल, संगीत में रुचि रखने वाले, धार्मिक और कुशल कार्यकर्ता होंगे। आप गणित विद्या के माहिर होंगे। आप धर्म का पालन करेंगे। आपको अच्छी संतान का सुख नसीब होगा। आपके धन-दौलत में बरकत होगी। 34 वर्ष की आयु के बाद साधारण लेकिन 48 वर्ष की आयु के बाद आर्थिक हालात अच्छी हो जाएगी। आप विदेश का सफर करेंगे। दान-धर्म के कार्यों में पूरी दिलचस्पी रखेंगे। पिता के प्रति अच्छा व्यवहार रहेगा। पिता का पूरा सुख नसीब होगा। कभी-कभी आपसे गलत काम हो सकते हैं इसका विशेष ध्यान रखें। स्वभाव से साधू तथा व्यवहार में नम्र होंगे। यदि सिंह बन कर रहना चाहें तो उथल-पुथल होती रहेगी। आपके लिए नम्र बन कर रहना ही शुभकारक है। आप जीवन में तरक्की की चोटी तक पहुंच जाएंगे।

यदि आपने धार्मिक कार्यों के विरुद्ध कार्य किया या धर्म के नाम पर चंदा मांगा, माता को कष्ट दिया या माता का विरोध किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी अक्ल धोखा देगी, आपका छोटा दिल होगा और आवारा घूमने से हानि होगी। चांदी-पानी-चावल आदि सफेद वस्तुओं का कार्य हानि देगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।
2. झूठ-झूठ से दूर रहें।

उपाय :

1. तीर्थ यात्रा करें या धार्मिक कार्य करें।
2. चंद्र ग्रहण के समय 4 सूखे नारियल जल प्रवाह करें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल दूसरे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप दयालु, रक्षक, भाई और मित्रों के पालनहार, आप दूसरों की जरूरत हमेशा पूरी करेंगे। आप किसी संस्था के प्रधान भी हो सकते हैं। आप बहुत लोगों को सहारा देने वाले होंगे। आप दूसरों को खाली हाथ नहीं लौटाएंगे। आपको ससुराल से सहायता मिलेगी। आप छोटे भाई से पुत्र जैसा प्यार करेंगे और उसे सहायता देंगे। छोटे भाई की सहायता से आपके भाग्य में वृद्धि होगी। आप दूसरों की सहायता करते रहेंगे। इस वजह से आप भी भरपूर रहेंगे। आपको दूसरों की भलाई के लिए धन-संपत्ति मिलती रहेगी। आप दूसरों के लिए लंगर लगाएंगे। आप नेक और पक्के इरादे के हैं। आप परिश्रम से धनी होंगे। आपको खुराक, पोशाक तथा अन्य जीवन के सुख प्राप्त होंगे। जरूरत पड़ने पर खुद ब खुद पैसे मिल जाएंगे। आपको भगवान की कृपा से बहुत धन

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

मिलेगा। आप अधिकारी बन कर हुकूमत करेंगे। आप तीर्थ यात्रा करने से शुभ फल को प्राप्त करेंगे। शादी के बाद आपकी दौलत में बढ़ोत्तरी होगी। ससुराल पक्ष से सुखी रहेंगे।

यदि आपने दूसरों के धन-स्त्री पर बुरी नजर रखी, बुरी आदतों के शिकार हुए या छल-कपट करके भाई-बंधुओं, मित्रों के साथ ठगी की तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से अगर विद्या में रुकावट, जरूरत पड़ने पर आपको धन मिलता रहेगा। नौकरी-व्यापार में बार-बार हानि हो सकती है। 28 वर्ष से पहले बड़े भाई को शरीर कष्ट संतान की चिंता, धन हानि होगी। यदि आपका बड़ा भाई है तो उसका सुख आपको नहीं मिलेगा या वह आपसे हालत में कमजोर होगा या आप और आपका भाई निःसंतान भी हो सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. लड़ाई-झगड़े से दूर रहें।
2. मेहमानों की सेवा से मुंह न फेरें।

उपाय :

1. बच्चों को दोपहर के समय गुड़-गेहूं बांटें।
2. नाश्ते में मीठा भोजन करें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप अपने विभाग में अधिकारी के प्रिय रहेंगे। आप व्यवहार कुशल, ठीक से जीवन निर्वाह करने वाले होंगे। आप खुशामदी और नीतिशास्त्र में निपुण होंगे। आप लेखक-संपादक, अनेक विद्याओं के जानने वाले हो सकते हैं। ठेकेदारी के काम से धन कमाने वाले होंगे। आप पूरा धन कमाने वाले हैं। आप अव्वल दर्जे के खुशामदी होंगे। आप अपनी चिकनी चुपड़ी बातों से स्वार्थ सिद्ध करेंगे। आप समुद्री यात्रा या विदेश की यात्रा अवश्य करेंगे। आप शरारती और मतलब परस्त होंगे। परंतु दूसरों के हां में हां मिलाने या खुशामद करने में माहिर होंगे। आप मीठी-मीठी बातें करके सबको मोहित कर लिया करेंगे। व्यापार करने से घर के लोगों को भी बरकत होगी। आप हुनरमंद और बेशर्म स्वभाव के हैं। 50 वर्ष की उम्र के बाद आपका अच्छा जीवन बीतेगा और आर्थिक स्थिति में सुधार हो जाएगा।

यदि आपने मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया, हरे रंग की बोटल में विदेशी शराब या परफ्यूम अपने घर में रखा, मछली का शिकार किया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से शराब-पीना और मांस खाना आपके लिए नुकसानदेह है। आपको अपनी नजर में दोष उत्पन्न हो सकता है। आप दूसरों के लिए बेवकूफ दोस्त के समान होंगे। आपकी दूसरों के साथ चालबाजी की आदत रहेगी। 48 वर्ष की आयु तक पिता के सुख में अभाव हो सकता है।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चौड़े पत्तों का वृक्ष, तुलसी-मनीप्लांट न लगावें।
2. शराब-मछली का सेवन न करें।
3. मछली का शिकार न करें या मछली न पकड़ें।

उपाय :

1. मजदूर पेशा व्यक्ति की सेवा करें।
2. मछलियों को भोजन का हिस्सा खिलायें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में तीसरे खाने में वृहस्पति पड़ा है। जिसकी वजह से आप जिस पर मेहरबान होंगे तो उसे बड़ा लाभ होगा। आप नौकरी-व्यापार से आजीविका चलाएंगे। 40 वर्ष की उम्र तक गृहस्थ जीवन में पूर्ण योगदान करेंगे। आप न्यायप्रिय होंगे। भाई से भी सुख प्राप्त होने की संभावना है। परंतु आप स्वयं बुद्धिमान होंगे। आपको अपने भाई-बहन की सहायता करने से लाभ मिलेगा और उनसे संबंध अच्छे रहेंगे। 26 वर्ष की उम्र में आपकी दौलत बढ़ने लगेगी। आपकी औलाद के जन्म के बाद आपका भाग्योदय होगा। आप अपने जीवन में लगातार उन्नति करते रहेंगे। समाज में अच्छी प्रतिष्ठा मिलेगी। आप अपने भाई के मददगार होंगे। आपका घर-वार नेक होगा। आपका जीवन खुशहाल रहेगा। आपकी पत्नी आपके जीवन में सहायता करेगी। आपके द्वारा बुजुर्गों की सेवा से धन-दौलत में वृद्धि होगी। आप धार्मिक स्वभाव के होंगे। आप अपने भाग्य पर सब्र करने वाले होंगे, अपनी किस्मत पर संतुष्ट रहेंगे। आप बुढ़ापे में आराम पाएंगे। आप बहादुर होंगे। आप आंखों की होशियारी से ही दूसरों को भांप लेंगे।

यदि आपके घर में कटा या सूखा पीपल का पेड़, धर्म मंदिर है उसकी सेवा नहीं करते, बुरे तरीकों से धन कमाया या मित्र मार की तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से 31वें वर्ष में बीमारी की आशंका है। आप अपने मित्रों के साथ धोखाधड़ी करके या लूट कर धनवान बनेंगे। आपकी बेमतलब की बकवास/गप्पबाजी आपके आने वाले समय को खराब कर देगी। जिस पर आप बिगड़ जाएं उसका सब कुछ नष्ट कर देंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सूखा पीपल घर में नहीं रहे।
2. घर में मंदिर बंद न रखें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

उपाय :

1. दुर्गा पाठ या कन्याओं की सेवा करें।
2. केसर/हल्दी का तिलक करें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र नौवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपका भाग्य मंदा रहेगा। 25 वर्ष के बाद का समय अच्छा रहेगा। इसलिए 25 वर्ष की उम्र के बाद शादी करें। अमीरी होने के बाद भी परिश्रम से रोटी प्राप्त होगी। तीर्थ यात्रा करना संतान के लिए शुभ है। आपके पास धन भी होगा। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति की तरह हैं। आपको मन में शक्ति मिलेगी तथा धन-दौलत पर अच्छा असर पड़ेगा। नौकर-सेवकों से सुख मिलेगा।

यदि आपके घर में ढेक का वृक्ष, एल्युमिनीयम के बर्तन हुए, 25वें वर्ष में विवाह किया, छोटी आयु में मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारणवश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से विवाह के बाद से आपके पीछे दुःख लग जाएगा। स्त्री, धन-दौलत पर बुरा असर पड़ेगा, ऐसी आशंका है। आप दूसरों की मुसीबत और मंदा सेहत का जंजाल अपने ही गले लगा लेंगे। आप नशे की बुरी लत के कारण बीमारियों से तंग रहेंगे। आपकी धन-दौलत की बर्बादी का कारण भाई-बंधु बनेंगे। गुप्त रोग हो सकते हैं। लोगों से एतबार पर लेन-देन का फल मंदा हो सकता है। आपको खेती-बाड़ी से अच्छा लाभ नहीं होगा। आपके और आपकी स्त्री के लिए परेशानियां पैदा होंगी। आपके पास धन-दौलत इकट्ठी नहीं होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. 25वें वर्ष में विवाह न करावें।
2. एल्युमिनीयम का बर्तन प्रयोग न करें।

उपाय :

1. मकान बनावें तो नींव में चांदी के बर्तन में घहद भर कर रखें।
2. पत्नी को चांदी की चूड़ी पर लाल रंग करके बायें हाथ में पहनायें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि दूसरे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको पैतृक संपत्ति और ससुराल से लाभ रहेगा। आप मान-प्रतिष्ठा से युक्त होंगे। आप ईश्वर भक्त और पूजा-पाठ करने वाले होंगे। आप आजन्म मुखिया बने रहेंगे। कमाई और खर्चा बराबर हो जाएगा। आप अपनी पहली कन्या का लालन-पालन ससुराल पक्ष को सौंप दें तो आपके लिए फायदेमंद होगा। आपको जीवन में जीने की इच्छा प्रबल रहेगी। आप बाहर से देखने में प्रभावशाली नहीं लगेंगे परंतु अपनी शक्ति और अक्ल में बहुत बलवान होंगे। कभी-कभी आप

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

इस दुनिया से सन्यास लेने को भी उत्सुक हो सकते हैं। आपको माता का पूर्ण सुख मिलेगा। पिता के सुख में न्यूनता आ सकती है। आप में अक्ल की बारीकी और आध्यात्मिक शक्ति होगी। कोयला, चमड़ा, मकान-मशीनरी के कामों से अधिक लाभ होगा।

यदि आपने मादक चीजों-द्रव्यों का सेवन किया, सांप को मारा या सांप के जहर बेचने या प्रयोग करने से संबंधित कार्य किये या कानी भैंस पाली तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आप विचारों के कच्चे, मुर्दादिल और पस्त हौसले वाले होंगे। 28वें 39वें वर्ष की आयु रोग और बीमारी में बीत सकती है। आपकी किसी के साथ दुश्मनी भी हो सकती है। आपका जुआं आदि खेलना आपके ससुराल के लिए बुरा हो सकता है। आपके विवाह के समय ससुराल में अग्निकांड हो सकता है। विद्या अधूरी रहे, ऐसी आशंका है। सगाई के दिन से ससुराल को हानि होना शुरु हो जायेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. माथे पर तिलक की जगह सरसों तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

उपाय :

1. नंगे पैर धर्म स्थान में जावें।
2. सांप को दूध पिलावें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के ग्यारहवें खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आपका बचपन खुशहाली से बीतेगा। आपको उच्च शैक्षणिक संस्थान में विद्याध्ययन का मौका मिलेगा। आपको पिता का उत्तम सुख प्राप्त होगा। आप बिना माता-पिता के सहयोग के भी आगे बढ़ते रहेंगे। आप ताकतवर और न्यायप्रिय होंगे। आप अपनी कमाई पर ही जीवन बसर करेंगे। माता-पिता से मधुर संबंध में कटुता की संभावना है। विदेशी यात्रा या कार्यो द्वारा धन भी प्राप्त होगा। दूसरो पर भरोसा रखने से विश्वासघात होगा ऐसी शंका है।

यदि आपने बंदूक-पिस्तौल रखी, नीलम या नीला नग पहना, बिजली का खराब सामान या बिजली की तारें घर में पड़ी होगी, दराज या केश बॉक्स खाली रखे तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपके पिता को कष्ट होने की आशंका है। आपकी साढ़े दस-21-42 वर्ष आयु में पिता की मृत्यु होगी। पिता की मृत्यु गोली, जहर, ब्रेन हैमरेज से संभाव्य है। पिता की मौत के बाद बहुत क्षति होगी। आप ऐय्याश लोगों की संगति में रहेंगे, ऐसी आशंका है। अनुचित ढंग से धन कमाएंगे। आपकी परेशानी धातु संबंधी रोगों से बढ़ सकती है। आपकी संतान कमजोर और अपाहिज हो सकती है। आपकी जवानी गरीबी में कटेगी। पिता और दादा से नहीं पटेगी। आपके जन्म के पश्चात् आपके पिता की आर्थिक दशा तंग होने की संभावना है। आप काम में दक्ष होंगे और धूर्त लोग

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

आपके साथ होंगे। फिजूल के झगड़े-फसाद होने की आशंका है। धन की हानि भी होती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. नीलम या नीला नग न पहनें।
2. घर में बंदूक/पिस्तौल न रखें।
3. बिजली का सामान ठीक रखें।

उपाय :

1. सिर पर चोटी रखें या सिर ढांप कर रखें।
2. 4 किलो सिक्के का चौरस टुकड़ा 4 सूखे नारियल जल प्रवाह करें।
3. सिगरेट पीते हैं तो चांदी की पाइप में लगा कर पियें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु पांचवे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको आकस्मिक रूप से धन प्राप्त होगी। आपको विलक्षण अतिद्रिय शक्ति प्राप्त होगी। आप गुरु भक्त रहेंगे। 24 वर्ष की उम्र के बाद आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। जीवन में 34 वर्ष आयु में पुत्र द्वारा, उसके पश्चात पौत्र द्वारा सुख प्राप्त होगा। 48 वर्ष की उम्र तक माता का सुख मिलेगा। पत्नी के साथ अच्छा संबंध रहेगा। आपके धर्म-ईमान के अनुसार ही आपकी संतान होगी। आप अपना चाल-चलन ठीक रख कर सुखी रह सकते हैं। आपकी आर्थिक हालत ठीक रहेगी। इच्छित संख्या के अनुसार संतान होगी। पुत्र संतान उत्पत्ति के पश्चात् आपकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा। यदि आप धर्माचरण करते रहें तो जीवन के अशुभ फल दूर हो जाएंगे।

यदि आपने चाल-चलन खराब किया, किसी के पुत्र को या अपने पुत्र को कष्ट दिया कुत्ते को मारा या मरवाया या कुत्ता आपके वाहन से टकरा कर मर गया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से 45 वर्ष तक आयु का समय बेकार रहेगा। पुत्र से कोई खास सुख प्राप्त नहीं होगा। संतान को कष्ट रहेगा। आपको श्वास संबंधी या दमे के रोग की आशंका है। 48 वर्ष की आयु का समय भी ठीक नहीं रहेगा। सुख में कमी और बाधा उत्पन्न हो सकती है। आयु बढ़ने के साथ आप बुरे लोगों की संगति में रहेंगे। गुप्त रोग का भय, संतान को दमा रोग रहने की संभावना रहेगी। आपका पुत्र आपकी माता के लिए अशुभ रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. दुश्चरित्र लोगों की संगति न करें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

2. लोहे के संदूक में ताला लगाकर बंद न रखें। उन्हें कभी-कभी खोलते रहें।

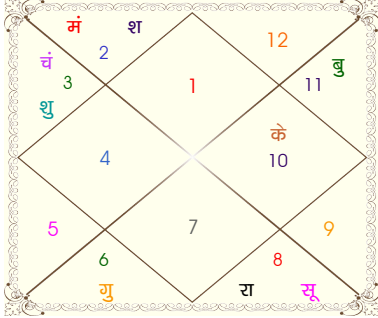
उपाय :

1. गुरु-पिता दादा की सेवा करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य दें।

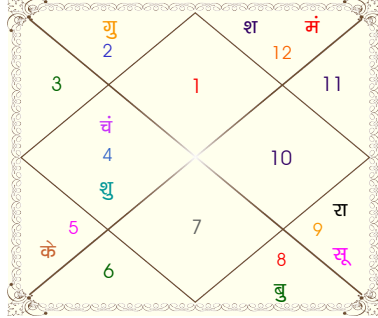


लाल किताब - वर्ष कुंडली

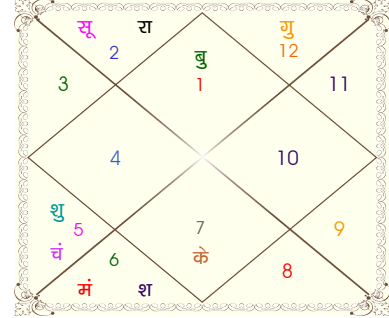
2026



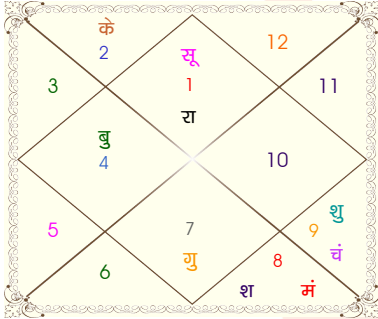
2027



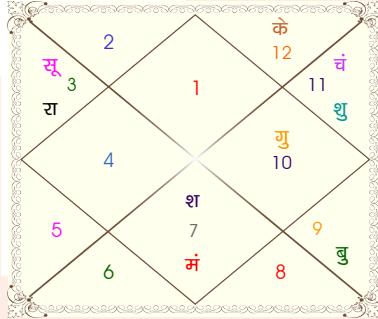
2028



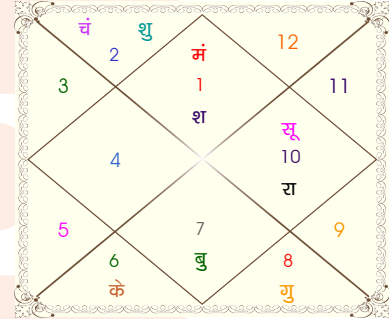
2029



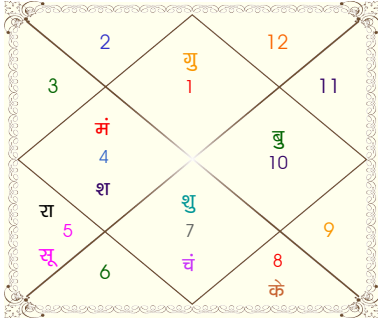
2030



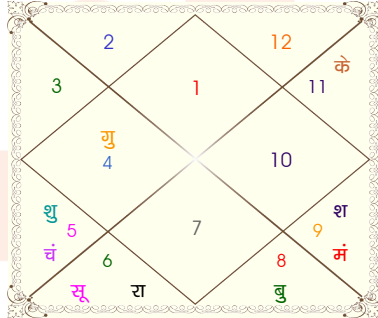
2031



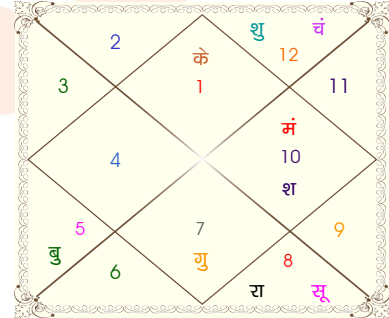
2032



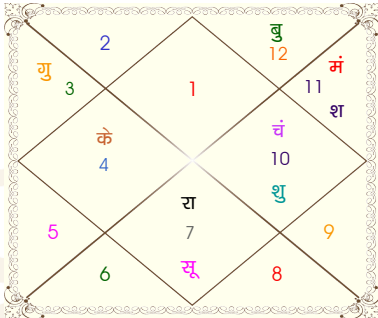
2033



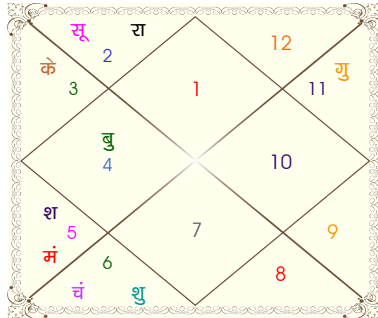
2034



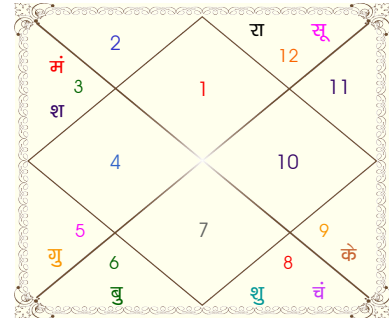
2035



2036



2037



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

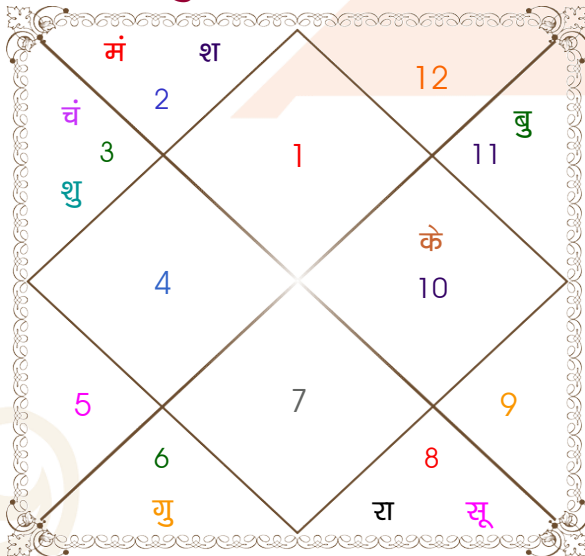
वर्तमान आयु - 45
वर्तमान दशा - राहु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

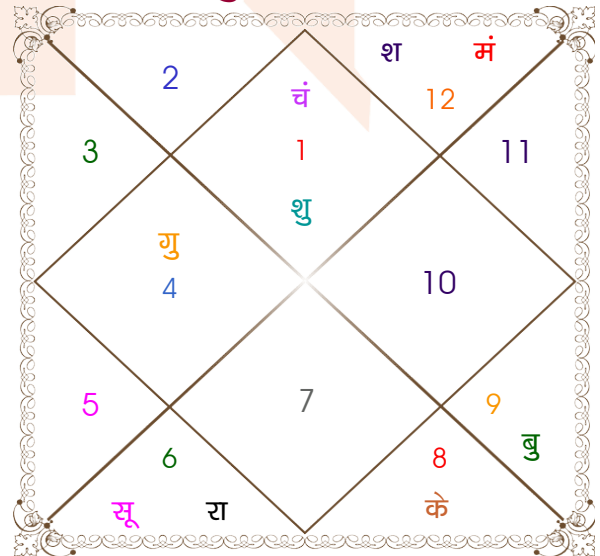
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	हाँ	हाँ	--	हाँ	--	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष चाल-चलन खराब हुआ तो गुप्त रोग से दुःखी हो सकते हैं। गंदी सोहबत से आपके सम्मान पर धब्बा लगेगा और धन नष्ट हो, ऐसी आंशका है। अतः आपको इन बातों से बचना होगा। जहरीले कीट-पंतगे के काटने का भय है। टैक्स विभाग की चिंता रहेगी। चोरी-ठगी भी हो सकती है सतर्क रहें।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बड़े भाई की सेवा करें या गाय की सेवा करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य दें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 3 शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका चरित्र सुधरेगा और पराक्रम बढ़ेगा, चोरी से बचाव होगा। विद्या अच्छी रहेगी। 3, 6, 8, 12वां मास अधिक लाभदायक होगा, कुदरत खुद आपकी किस्मत बनाने में सहायक होगी, गरीबों से आपकी हमदर्दी रहेगी, किसी अंतर्राष्ट्रीय खेल में आपकी रूचि रहेगी या खुद भी उस खेल में हिस्सा ले सकते हैं।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बहन-भाई से झगड़ा न करें।
2. यतीमों के लिये मिला सामान हड़प न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष आपके परिवार में अन्न-धन की कोई कमी नहीं रहेगी। आप भाई-बंधुओं के दुःख में हर समय साथ देंगे, आप नेक और इरादे के पक्के रहेंगे जो बात ठान ली वह पूरी कर दिखायेंगे। अगर बड़ा भाई जीवित हो तो उससे अधिक धन, मान आपको मिलेगा। परिवार के लोगों से भी लाभ मिलेगा।

मंगल की शुभता हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. लड़ाई-झगड़ों से दूर रहें।
2. घर आये मेहमानों की सेवा में कमी न करें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष हर बुधवार का दिन और दोपहर (3 से 5 बजे) का समय शुभ रहेगा। आपका भाग्योदय होगा या तरक्की होगी, आलस्य से दूर रहें। आप अपनी बुद्धि के द्वारा अधिक लाभ अर्जित करेंगे। आपकी मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पैतृक सम्पत्ति का लाभ मिलेगा। आपकी मित्रता से सबको लाभ मिलेगा।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मनी प्लांट, रबर प्लांट आदि चौड़े पत्तों के पेड़-पौधे घर पर न लगावें।
2. पीतल के खाली बर्तन बन्द या उल्टे न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 6 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष नकद धन की कमी नहीं होगी। हर चीज बिना मांगे आपको मिल सकती है। कम मेहनत अधिक लाभ। शत्रु अपने आप नष्ट हो जाएंगे या शत्रुओं पर आपकी जीत होगी, बुजुर्गों के नाम पर दान करेंगे या धर्मार्थ चीजे बनवायेंगे। हर समय अपने कामों को निपटाने के लिये ध्यान देना पड़ेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. कर्ज/दान या गिफ्ट न लेवें या भीख न मांगें।
2. आवारा न घूमें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से इस वर्ष राग-रंग में आपकी रुचि आपके लिये ठीक नहीं रहेगी। पत्नी का क्रोध बढ़ सकता है। खराब चाल-चलन से हानि का भय और मान-सम्मान को धक्का लगेगा। संतान की चिंता या संतान को शरीर कष्ट भी भोगना पड़ सकता है। दूसरे के घर में भी आपका निवास हो सकता है।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पत्नी या स्त्रियों की सेवा करें।
2. मंगल की चीजों का प्रयोग करें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष ईश्वर भक्ति में आपका विश्वास बढ़ेगा। पिता/ससुराल से धन-संपत्ति का लाभ होगा। कोयला, चमड़ा, मशीनरी के कामों से लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अक्ल की बारीकी से उलझनों को सुलझा लेंगे। बने बनाये मकान का लाभ मिल सकता है। धन की कमी नहीं रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माथे पर सरसों का तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष अंगहीन, निःसंतान, काने, गंजे व्यक्ति से दूर रहें। जन्म दिन के बाद आठवें मास से उलझनें बढ़ सकती हैं। किस्मत का असर झूले की तरह ऊपर-नीचे होता रहेगा, बिजली विभाग, जंगल विभाग, पुलिस विभाग से संबंधित कामों में परेशानी या धन और समय नाश हो सकता है। बंधन और कैद में न रहेंगे।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. 8 चौरस सिक्के (औफदप) के टुकड़े जल प्रवाह करें।
3. जिस दिन इस वर्ष का 8वां मास शुरू हो उस दिन 43-43 बादाम मंदिर में ले जाकर वहां रखें, उसमें से 43 बादाम उठा कर घर पर लाकर सफेद थैली में रख लें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मिट्टी के कामों से सोना बनेगा, शहर/गोव/देश/विश्व प्रसिद्ध हो सकते हैं। समाज में आपकी ख्याति बढ़ेगी, धन का अभाव नहीं रहेगा। आपका स्वभाव कुछ शक्की बन सकता है। संतान सुख का योग भी इस वर्ष है मगर माता को कष्ट हो सकता है सास/माता की सेहत खराब या उनसे जुदाई हो सकती है।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन खराब या अनैतिक संबंध न रखें।
2. कुत्तों से नफरत न करें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- बड़े भाई सगा मामा/चाचा-ताया को उपहार दे कर आशीर्वाद लेवें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

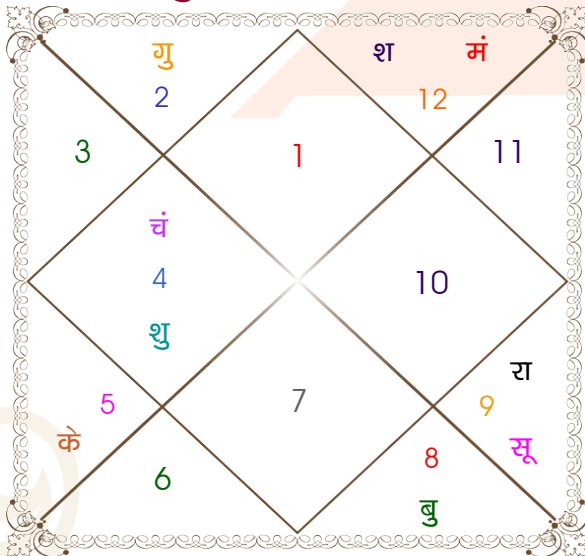
वर्तमान आयु - 46
वर्तमान दशा - राहु

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	हाँ	--	नेक
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	--	--	मन्दा
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

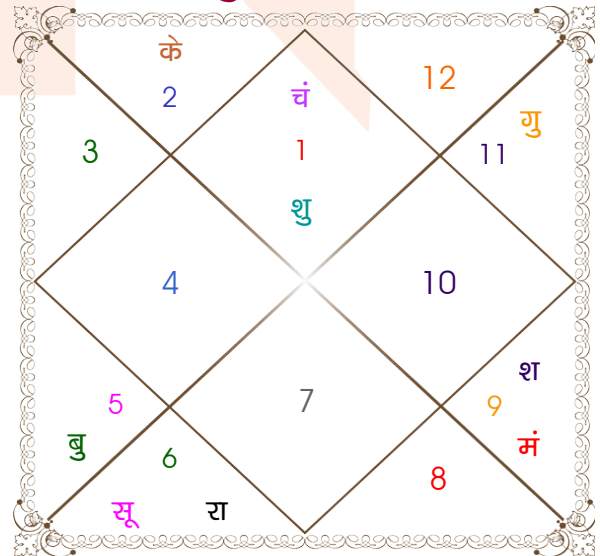
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2027 - 2028



वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको बिना मेहनत का माल/गिफ्ट आदि नहीं लेना चाहिए, यात्रा में हर समय सतर्क रहें क्योंकि यात्रा में चोट लगने या हानि होने का भय है। सरकारी विभाग से परेशानी हो सकती है नेकी का बदला बुराई में मिल सकता है। आपके विरोधी आपको अपनी गुप्त चाल से नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. घर में पीतल के बर्तनों का प्रयोग करें।
2. सूर्य ग्रहण के मध्य काल में 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।

चंद्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप राजसी ठाट-बाट भोगेंगे या समय सूखपूर्वक गुजरेगा, समुद्री सफर या समुद्र से संबंधित कामों से लाभ होगा। कार्य करने से पहले किसी व्यक्ति की सलाह लेकर कार्य शुरू करना शुभ रहेगा। कोई अमानत आपके पास रख कर जाएगा वह उसे वापिस लेने नहीं आयेगा या अचानक धन-लाभ होगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता या माता समान स्त्री से झगड़ा न करें।
2. दूध-पानी का व्यापार न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी समाज में आवाज बुलन्द रहेगी, शत्रु मुंह की मार खायेंगे, मुसीबतें टल जाएगी, गुरु निर्धन-ब्राह्मण की सेवा में तत्पर रहेंगे, आप अपनी मनमर्जी के अनुसार कार्य करेंगे, किसी से दब कर नहीं रहेंगे। मीठा-भोजन या मिठाई आपको अधिक पसन्द रहेगी। मुकददमे में जीत या सरकारी विभाग से लाभ से लाभ हो सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. खुण्डा या जंग लगा हथियार घर पर न रखें।
2. लोग आपका नमक खाकर नमक-हरामी करेंगे, सतर्क रहे।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष जादू-टोना आदि विद्याओं में रुचि या इनका प्रभाव रहेगा जो आपको लाभ न देगी। अन्दर ही अन्दर गुप्त रूप से आपको शरीर कष्ट या धन हानि का सामना करना पड़ सकता है। गृहस्थ में कुछ समस्याएं उभर सकती हैं। आलस्य आपके पतन का कारण बनेगा। खराब चाल-चलन और अनैतिक संबंध हार और हानि देंगे।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. वर्षा का पानी छत पर रखें।
2. इस वर्ष विवाह हो तो तांबे का बर्तन (गागर) मूंग साबित भरकर संकल्प करके पति/पत्नी दोनों जल प्रवाह करें। यदि विवाह हो चुका हो तो भी यह उपाय करना लाभ देगा।
3. गुदा पर सुरमा लगावें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ मिल सकता है। आपको कुछ भी होने वाला हो उसकी खबर पहले हो जाएगी, शिा और ज्ञान से लोगों का मार्ग दर्शन कराएंगे। आपके सभी कार्य अपने आप बनते चले जाएंगे मगर आपको व्यर्थ की चिंता रहेगी। स्त्री और शासन या सरकारी विभाग की तरफ से लाभ मिल सकता है।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सर्राफी या जौहरी का काम न करें।
2. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप में काम वासना की अधिकता के लक्षण है। दूसरी स्त्री आप पर मोहित हो सकते हैं। मामा-मौसी से लाभ मिलेगा, उत्तम भवन-वाहन का सुख मिलेगा, उत्तम भोजन-शयन का शौक रहेगा। आप अपने परिवार या शहर/गांव/देश में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे, यात्रा अधिक होगी और यात्रा से लाभ होगा।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें, अनैतिक संबंध न रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज ठीक रखें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष धन व्यय अधिक होगा और वह भी परिवार के शुभ कामों पर, सरकारी विभाग और मुकदमों में जीत होगी। आपको रात्रि का पूरा आराम मिलेगा। साधना या अध्यात्म में आपकी रुचि रहेगी तो वह आपको हानिकारक हो सकती है। शराब पीना, मांस-मछली खाना आपके लिये हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूसरों के माल पर नजर न रखें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पुलिस/कोर्ट का भय या चोरी का माल खरीदने का लांछन लग सकता है। पिता और ससुर का कष्ट या उनके द्वारा आपको हानि का भय है। साधू-फकीर का साथ फिजूल खर्ची ही बढ़ायेगा। तीर्थ यात्रा में रुकावट आ सकती है। धार्मिक कामों में रुचि रहेगी जो आपके लिये ठीक नहीं।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।
2. धर्म मंदिर में सिर झुकावें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष गुरु भक्ति में रुचि रहेगी। चाल-चलन ठीक रहेगा। धर्म-ईमान की स्थिति शुभ होने के कारण संतान का सुख मिलेगा। पुत्र के द्वारा आपका भाग्योदय होगा और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग है तो पुत्र लाभ होगा। यात्रा से तरक्की होगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बुरे चलन के लोगों की संगति न करें।
2. लोहे के संदूक/ट्रंक/अलमारी को हमेशा ताला न लगा रहें। ताले को कभी-कभी खोलते रहें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।

Pt Rupinder vashishth

Patel Nagar Yamunanagar

9466043536

rupendersharma1971@gmail.com